DATE:

Paper - 5 - हिन्दी

(1) (a.) कार्यालयी भाषा - मानक शब्दों का प्रयोग
- शुद्धतम
- औपचारिक

(b.) परिपत्र के द्वारा सूचना अथवा निर्देश समान रूप से सभी सम्बन्धित अधिकारियों तक पहुँचाने हेतु लिखी जाती है।
- कार्यालयी कार्य- व्यवहार में एकरूपता

(c.)

(d) पश्चिमी हिन्दी :- बुंदेली
~~बृजभाषा~~ बृजभाषा
कौरवी

(e.) → सरल एवं स्पष्ट भाषा
→ संक्षिप्त
→ कथन का सही सार

(f.) विसर्ग के बाद स्वर एवं व्यंजन आने से विकार को विसर्ग संधि कहते हैं
उदाहरण :- तपः + भूमि → तपोभूमि

(g) खड़ी बोली का विकास - शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ है। (पश्चिमी हिन्दी का एक रूप है)
यह उत्तर एवं दक्षिण भारत में बोली जाती है।

(h) पहला दैनिक समाचार पत्र :- समाचार ~~सुधावर्षण~~
- 'उदंत मार्तंड' - कलकत्ता

(i) पहले कवि :-
पहला ग्रंथ :-

(j)

(k) पारिभाषिक शब्द :-
- ज्ञान-विज्ञान के विशिष्ट शब्द
- प्रयोग विशेष प्रयोजनों में
उदाहरण :- वंधक

(l) सच्चरित्रता
- सच् + चरित्र + ता

→ सच् → उपसर्ग
→ ता → प्रत्यय

(m) प्रयोगमूलक हिन्दी :-

(n) पल्लवन की विशेषताएँ
- भाव पल्लवन से कवि कवि / लेखक के सही कहे मायने पूर्ण रूप से उभरते हैं।

VIJAYANT
PAGE NO.:
DATE:

(o) कार्यालय आदेश शासकीय पत्र-व्यवहार का वह रूप होता है जिसके माध्यम से किसी कार्यालय अथवा सरकारी संस्थान अथवा व्यापारिक संस्थान में एक वरिष्ठ अधिकारी अपने अधीनस्थ प्राधिकारियों / कर्मचारियों को विभिन्न सेवा सम्बन्धी मामलों के अनिवार्य अनुपालनार्थ जारी करते हैं।

(p) 1992 → 71 वाँ संविधान संशोधन
→ नेपाली, मणी मणिपुरी, कोंकणी
→ अनुसूची-8 में जोड़ी गई थी।

(q) क वर्ग :- क ख ग घ ङ
:- कंठ्य वर्ग
:- उच्चारण स्थान :- कंठ

(r) द्विभाषा नीति हेतु एक राज्य अथवा राष्ट्र में दो भाषाओं को औपचारिक मान्नीकरण दी जाती है।
उदाहरणतः हिन्दी अथवा अंग्रेजी

(s) कार्यालयों में किसी पत्र को जो विचाराधीन है पर निष्पादन हेतु सभी नियम-विनियम, आदेश-निर्देशों के परिप्रेक्ष्य जो नोट लिपिकों अथवा ~~अधिककों~~ अधिकारियों द्वारा लिखा जाता है, उसे टिप्पणी कहते हैं। और टिप्पणी लिखने की विधि को ~~टिप्प~~ टिप्पण कहते हैं।

(t) तालु से उच्चारण → च वर्ग
- च, छ, ज, झ, ञ
- स्पर्श व्यंजन

(2)

	सरकारी पत्र	अर्द्धसरकारी पत्र
1.)	उद्गम पद से होता है।	उद्गम व्यक्तिगत स्तर पर होता है।
2.)	सदैव पद से पद को प्रेषित। वरिष्ठ ⇌ कनिष्ठ	अधिकारी से अधिकारी अथवा गैर-सरकारी व्यक्ति को प्रेषित।
3.)	सरकारी प्रयोजन अथवा औपचारिक पदीय दायित्वों से जुड़ी	विचार-विमर्श, गोपनिय मामलों से संदर्भित
4.)	भाषा शैली - औपचारिक - रूढ़ - अन्य पुरुष	भाषा-शैली - अनौपचारिक - व्यक्तिगत / मित्रता भाव - उत्तम पुरुष
5.)	पत्र को नियत प्राधिकारी खोलता है।	पत्र को सिर्फ प्रेषिती ही खोलता है।
6.)	सम्बोधन - महोदय समापन → भवदीय	सम्बोधन - प्रिय श्री महोदय समापन → भवनिष्ठ ↳ ससम्मान
7.)	प्रेषिता का नाम, पता, पत्र शुरू होने से पूर्व	प्रेषिता का नाम, पता, पत्र के अंत में

VIJAYANT
PAGE NO.:
DATE:

(3) We accept that at present the country possess a lot of negative / bad attributes. corruption and bribe are onnious and in this dirty mudwater not only ordinary public but high responsible government authorities are indulged. It is important to end these bad attributes, but we request our students and youth to do so creatively and not destructively. The fact is that as much as possible students should not get indulged in negativity of politics and create obstacles in their education. Education and knowledge are the highest property of an individual and by losing it, he will only get ~~a~~ struggles and nothing else. But even after so, the students and youth are interested in ~~impro~~ nation improvement, then with great happiness and pride we will welcome them.

(4) ? हमें आजादी एक बड़े आँदोलन के पश्चात प्राप्त हुई है। हमारे संविधान का निर्माण एक बड़े आँदोलन के पश्चात हुआ। शुक्र है कि हमारे संविधान निर्माताओं ने इतिहास के सीख ले कर ही निर्माण करके हैं। इसलिए हमारे पास धर्मनिरपेक्षता है। देश के हर स्त्री एवं पुरुष के पास समान अधिकार हैं। दो स्तर नहीं हैं। परंतु आज हम क्षेत्रवाद की समस्या से जूझ रहे हैं। क्योंकि भारत देश में ~~अनेक~~ अनेक अलग-अलग क्षेत्र और भाषाएँ हैं, इसलिए यहाँ की सामाजिक संरचना काफी जटिल है। लोग अपने क्षेत्र के लिए निष्ठावान हैं। उनकी निष्ठा अपने क्षेत्र के प्रति इतनी सुदृढ़ है और शक्तिशाली है कि वे अपने देश के प्रति निष्ठा को भूल जाते हैं। यह एक ~~खस्त~~ खतरनाक हाल

है। हमारी निष्ठा हमारे देश के प्रति होनी चाहिए। क्षेत्रवाद एक संकीर्ण दृष्टिकोण है। यह एकता और विकास के लिए विध्वंसकारी है। क्षेत्र के प्रति स्नेह अच्छा है परंतु यह राष्ट्र के प्रति निष्ठा के किमत पर नहीं होना चाहिए।

(5) ~~धीरवीर~~

संक्षेपण :-

धीरवान का मन समुद्र समान गंभीर और अथाह होता है। वह आनन्द और ऐश्वर्य से अपनी मर्यादा का उल्लंघन नहीं करता। तपस्या, चिन्ता अथवा तूफान कोई भी इसे रोक नहीं सकता। वह समुद्र की समान स्थिर रहता है ना कि नदियों की तरह, जो केवल बरसात में बहे। ~~स~~

भाव - पल्लवन :-

उक्त गद्य में रेखांकित शब्दों के मायने है कि जिसे व्यक्ति के पास धैर्य होता है वह भले ही दिन-भर अपने विचारों में किसी प्रकार की चिन्ता करते हो लेकिन उसका धैर्य कम नहीं होता अर्थात सूर्य के ताप से भी समुद्र का पानी कम नहीं होता उसी प्रकार चिन्ता करने से धैर्यवान व्यक्ति का धैर्य कम नहीं होता है।
और जिस प्रकार बदलते हुए मौसम के साथ समुद्र में कई तूफान आते है परंतु उसमें या इसकी प्रवाह को वो रोक नहीं पाती। उसी प्रकार जिस व्यक्ति में भरपूर धैर्य हो, चाहे उसके सामने जीवन में कितनी भी कठिनाई क्यों ना प्रवाह करे वह अपने निश्चित पथ से डगमगाता नहीं है और उसी राह पर चलता है तुफान का सामना करते हुए।

प्रतिवेदन

(6) दिनांक 5 सितंबर, 2021 को आयोजित राष्ट्रीय फिल्मोत्सव पर श्री क.ख.ग. की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यी समिति द्वारा विवरण निम्नवत् है।

- समारोह का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद द्वारा दोपहर 12 बजे किया गया।
समारोह में फिल्म जगत के सभी नामी कलाकारों के साथ भारतीय सरकार के मंत्रीगणों को परिवार समेत आमंत्रित किया गया था।
फिल्मोत्सव का शुभारंभ सांस्कृतिक दीपालोकन से हुआ, फिर अनेक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुति हुई।
समारोह का प्रयोजन हिन्दी फिल्म जगत के मशहूर अदाकार शाहरूख खान द्वारा किया गया था।
इसमें भारत के हर क्षेत्र के नृत्य, बंगाल से गुजरात और कश्मिर से द्रविड़ सभी क्षेत्रों की सम्पूर्ण सहभागिता देखने को प्राप्त हुई।
अनेक प्रकार के पुरस्कार इसके अन्तर्गत ~~विस्तर~~ वितरण करे गए। जैसे ~~अ~~ सबसे अच्छे अदाकार - अक्षय कुमार को उनके फिल्म टॉयलेट - एक प्रेमकथा के लिए दिया गया। सबसे अच्छी अदाकारिका - आलिया भट्ट को उनकी फिल्म राज़ी के लिए दिया गया। सुभाष घाई को सबसे अच्छे निर्देशक पद्मावत के लिए दिया गया। ए.आर रहमान को गाने निर्माण के क्षेत्र में और सुनिधि को बेहतर पार्श्व गायन के क्षेत्र में सम्मानित किया गया। ऐसे कुल 25 पुरस्कार का वितरण किया गया।
52 वाँ राष्ट्रीय फिल्मोत्सव में हिन्दी, मलायलम, तमिल, तेलगु, पंजाबी, बंगाली, मराठी, इत्यादी सभी भाषायी आधार पर समानता से विजेताओं का सत्कार हुआ और इसी प्रकार शाम 7 बजे इस समारोह का अंत करा गया।

DATE:

(7) (a.) देव्यागमन = देवी + आगमन
→ स्वर संधि
↳ यण-संधि → ई + आ → या

(b) युद्धभूमि
↳ युद्ध के लिए भूमि
– तत्पुरुष समास
↳ संप्रदान तत्पुरुष

(d.)

संधि	समास
→ दो वर्णों से मेल से जो परिवर्तन होता है उसे संधि कहते हैं।	दो शब्दों के मेल से बने सार्थक शब्द को समास कहते हैं।
→ वर्णों में परिवर्तन	→ शब्दों का संक्षिप्त करण।
→ उदाहरण विद्या + आलय ↳ विद्यालय	→ उदाहरण - रेखा से अंकित → रेखांकित

(f) बाण :- तीर
:- शिलीमुख
:- सायक

(g) प्रकृति x कृत्रिम

VIJAYANT
PAGE NO.:
DATE:

(8) (b) उल्टी गंगा बहना :- अनहोनी होना
आजतक राहुल कभी अव्वल नहीं आया परंतु
→ इस बार तो उल्टी गंगा बह गयी और वह पुरे जिले में अव्वल आया।

(c) गंगा गए गंगादास, जमुना गए जमुनादास :-
सब अपने-अपने घर या गंतव्य को चले गए।
→ एक साथ मेले में उत्साह करने के पश्चात गंगा गए गंगादास और जमुना गए जमुनादास।

(d)(e) गूलर का फूल होना। – अत्यंत दुर्लभ होना
कोहिनुर का हीरा जो कि गूलर का फूल है जो ब्रिटेन की महारानी के ताज में सुसज्जित है।

(g) छाती पर साँप लोटना – किसी के प्रति डाह
हमें शकुंतला कतई नहीं पसंद, उसके ईर्द-गिर्द होने से ऐसा प्रतीत होता है मानो छाती पर साँप लोट रहा हो।

(a) हाथ से तोते उड़ना :- बहुत घबरा जाना
शेर को देखकर आयुष के हाथ से तोते उड़ गए।

(9) (1) मनुष्य आज सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का शिकार है।

(2) मनुष्य विवेक और ईमानदारी को त्याग कर भौतिक स्तर से ऊँचा उठने के लिए प्रयत्न कर रहा है।

(3) वह मूल्य जो समाज और मानव दोनो रूप से सबके भलाई के लिए हो वह नैतिक मूल्य है।
उदाहरण : भाईचारिता, एकता, ~~ईमानद~~ ईमानदारी, इत्यादि

(4) आधुनिक मनुष्य की प्रबल इच्छा उचित और अनुचित को छोड़ सफलता और वाहवाही को पाने की है।

(5) नैतिक मूल्यों की तिलांजलि देकर समाज के सुख की कामना करना व्यर्थ है।

(10) (ii) दूतावास :- Ambassy

(iv) राज पत्र :- official state gazette

(v) संशोधान :- Amendment

(vii) निर्वाचन :- Election

(ix) महाभियोग :- Impeachment